समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अक्तूबर २०१६ • वर्ष ६७ • अंक १०

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

०३ सितम्बर २०१६ को कोलकाता में आयोजित सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

अखिल भारतीय समिति की बैठक ११ दिसम्बर २०१६ को पटना में

आतिथ्य : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

इस अंक में :

❖ अध्यक्षीय : सम्मेलन को सशक्त करने में सबका योगदान आवश्यक

❖ सम्पादकीय : उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः

❖ वार्षिक साधारण सभा : रपट

❖ हरियाणा दिवस पर विशेष : हरि के यान का हरियाणा

❖ विशेष : कोलकाता दुर्गापूजा परिक्रमा २०१६

❖ दीपावली पर विशेष : ज्योति से ज्योति जले

शुभ दीपावली

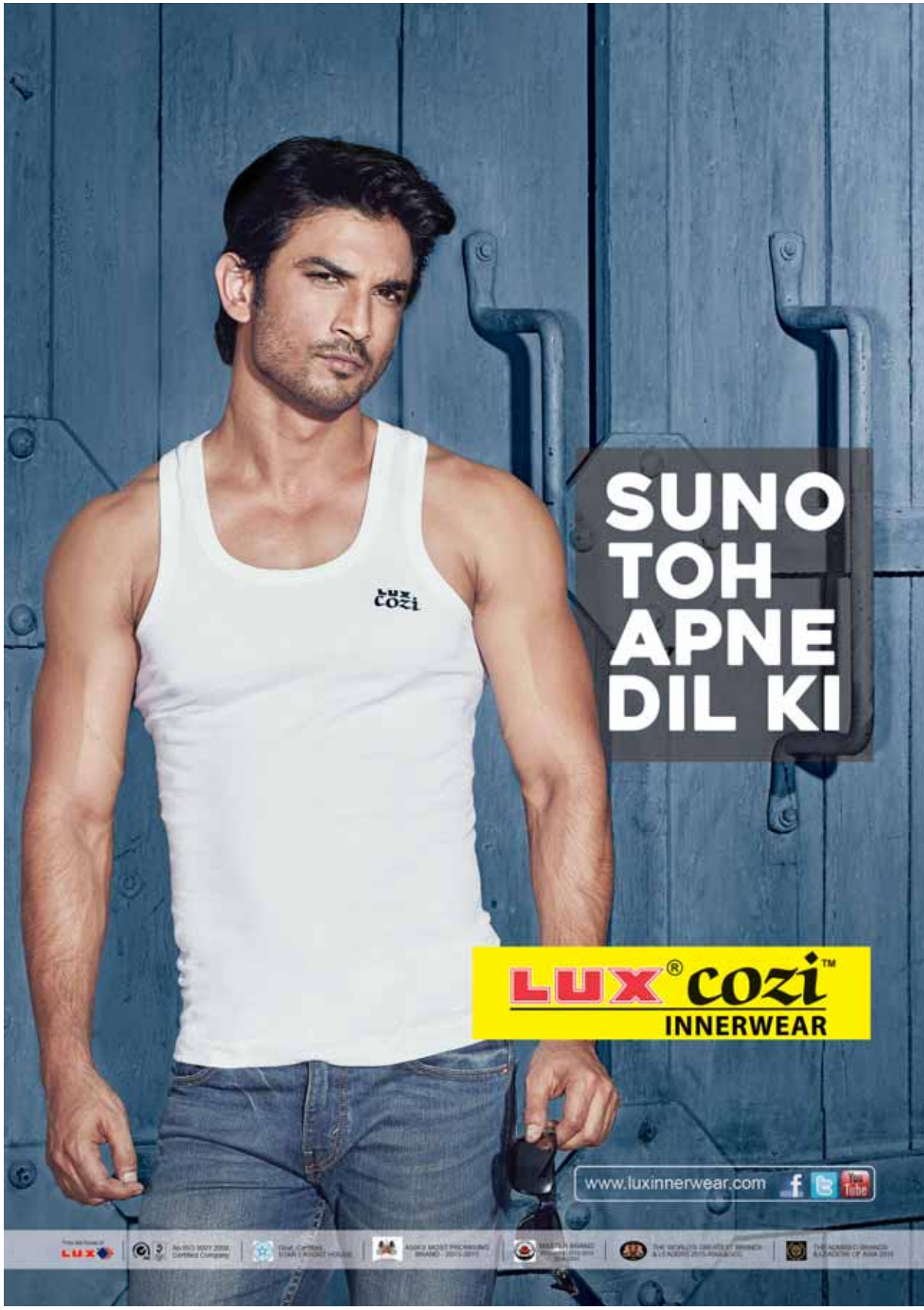
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com

समाज विकास

◆ अक्तूबर २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक १०

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः	३
• **चिट्ठी आई है**	४
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** सम्मेलन को सशक्त करने में सबका योगदान आवश्यक	५
• **सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा : रपट**	७
• **सूचना**	८
• **सम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक**	९
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** ज्योति से ज्योति जले	११-१२
• **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार**	१३
• **समाचार सार**	१४
• **विशेष : दुर्गापूजा परिक्रमा २०१६**	१६-१७
• **लेख : बाबूलाल धनानिया** हरि के यान का हरियाणा	१९
• **सम्मेलन की संबंद्ध संस्थाएँ**	२०
• **विविध**	२३
• **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत**	२४-२५

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः

– सन्तोष सराफ

सर्वप्रथम सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों एवं समाज विकास के सुधी पाठकों को नवरात्रि, विजयादशमी, दीपावली एवं अन्यान्य पर्वों की हार्दिक शुभकामनाएँ! कामना है कि महागणेश-महालक्ष्मी आपका भंडार सदैव भरा रखें!

प्रारम्भ से ही मारवाड़ियों की पहचान एक व्यापारी वर्ग की रही है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि विगत कुछ दशकों में हमारे युवक-युवतियों ने व्यापार के अतिरिक्त चाटर्ड एकाउंटेंट, कम्पनी सेकेट्री, उच्च सरकारी नौकरियों, वकालत, चिकित्सा, पत्रकारिता, सेवाओं, खेलों, आदि, क्षेत्रों में भी अच्छी सफलता हासिल की है। राजनीति के क्षेत्र में भी धीरे-धीरे अपना समाज सक्रिय हो रहा है। **यद्यपि सेवा और दान के मामले में हमारे पूर्वजों का कोई सानी नहीं था, हमारी छवि इतर समाजों में बहुत अच्छी नहीं थी। इसके लिये हम स्वयं भी जिम्मेदार हैं। अपने शादी-ब्याहों, आयोजनों में धन का जो भौड़ा प्रदर्शन हम करते हैं, वह न सिर्फ अपव्यय है अपितु हमारी छवि गिरने का मुख्य कारण है।**

नई पीढ़ी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी करने और सफलता हासिल करने से हमारी छवि में निश्चित रूप से सुधार हुआ है। लेकिन इसके लिए और प्रयासों की आवश्यकता है। एक ज्वलंत मुद्दा कथाओं, भजन संध्याओं आदि के भव्य आयोजनों और इनमें पानी की तरह पैसा बहाना भी है। **इसमें कोई दो राय नहीं कि इस प्रकार के आयोजन धार्मिक/नैतिक शिक्षा के दृष्टिकोण से लाभदायी हैं, तथापि इनमें अनावश्यक धन-प्रदर्शन का कोई तुक नहीं है।**

आज का युग वैश्वीकरण का है और साथ ही मीडिया का प्रभाव भी पहले से बहुत बढ़ गया है। पारदर्शिता आज समय की माँग है। **ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि व्यापार में भी ईमानदारी का प्रकाश हो, पारदर्शिता हो।** कहा गया है, **'उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः'** – अर्थात उद्योग से पुरुष रूपी सिंह लक्ष्मी का उपार्जन करते हैं। हमारा धनोपार्जन भी श्रम से, उद्यम से हो, किसी अनैतिक माध्यम से नहीं।

हम लोग आगामी दिनों प्रकाश का पर्व दीपावली मनाने जा रहे हैं। दीपावली में सुरक्षा, पर्यावरण और अपव्यय को ध्यान में रखते हुए पटाखों पर यथासम्भव नियंत्रण रखना चाहिए। साथ ही, पटाखे या रोशनी का सामान खरीदते वक्त यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि वे हमारे देश में ही बने हों। इस प्रकार हम अपनी महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा तो बचायेंगे ही, साथ ही अपने देशवासी गरीब कामगारों को भी सम्बल देंगे।

दीप के प्रकाश से अन्धकार हारे,
शुभ कदमों से माँ लक्ष्मी पधारे! ★★★

चिट्ठी आई है

मायड़ भासा

प्रिय संतोष जी,

मायड़ भासा रै बारै में आपरी सोच सकारात्मक है। आप मारवाड़ी सम्मेलन रा लोग चावो हो कि इस भासा नै सरकारी मान्यता मिलै। बड़ी अचरज री बात है १२ करोड़ लोगों री भासा बिना मान्यता यूं ही राती माती हो रै यी है आज मान्यता नी मिली फिर भी ऊर्जावान लिखारा दिन रात भासा नै सम्मान दिरावण सारु सृजन में लाग रैया है! मान्यता री गेंद सरकार रै पालै में भी होवतां थकां कोई ध्यान नी दिया जा रैयो है। मान्यता रो सवाल हदर में लटक रैयो है। मारवाड़ी सम्मेलन हाला यो मामलो सलटा सकै हैं। मारवाड़ी सम्मेलन सामाजिक सरोकार री संस्था है। समाज रो सुधार किया हो इबा रै में सारै लोगा री सोच है। पण जिया सरकार मामले में उदासीन है बियाही मारवाड़ी सम्मेलन भी। मायड़ भासा रै उत्थान सारू की गंभीरता ओढ़नी जरूरी है। मायड़ भासा जद दिल सूं प्यारी है फेर इणरै खातर आपणी इण विसय माथै की करणै री जरूरत है।

म्हारा कुछ सुझाव है। मानो तो थारी मरजी अर नी मानों ले भगवान री मरजी।

१) राजस्थानी रै विद्वाना री पूरी पिछाण इंटरनेट पर सुरक्षित राखी जा सकै है।

२) मारवाड़ी सम्मेलन की बोली साखावां है बण नै राजस्थानी री दो दो पोथियां खरीदणी चाये।

३) मारवाड़ी सम्मेलन जो भी आयोजन करै बण रो संचालन मायड़ भासा में होवणों चाये।

४) समाज विकास मायड़ भासा में छपणों चाये।

५) कलकत्ते सूं एक राजस्थानी रो दैनिक छापो निकलणों चाये। सम्मेलन सामाजिक कार्यक्रमों पेटै लाखां खरच करै। सम्मेलन रो दायित्व बणै कि वो राजस्थानी में भी दो हाथ दिखावै।

६) पत्र व्यवहार मायड़ भासा में करयो जावै।

७) बधाई पत्र, नव वर्ष कार्ड, दीवाली कार्ड, व्याव रा कार्ड मायड़ भासा में छपाणो चाये।

८) टेम टेम पर भासा रै विकास सारू सम्मेलन रो आयोजन करणों चाय जिणसूं राजस्थानी लिखनां को जोस बधै अर मान्यता सारू प्रयास करै।

९) लेखक नै पोथी प्रकासन में मदद करणी चाये अर बृद्ध लेखकां नै आर्थिक सैयोग करणों चाये।

१०) जद बंगाली जायो बंगाली रो मोद करै, बीजी भासावां आपरी भासावां रो मान करै तो फेर आपां राजस्थानी इसा माड़ा हां कि आप राजस्थानी रो सम्मान नीं करां।

११) हो सकै बीजी भासावां सू आपां नै सुविधा मिले पण इन कै सागै आपां मायड़ भासा रो मान करां या बात घणी सोचणै री है।

आज आपां अपणौ भासणां में राजस्थानी का गुण गावां पर सभा सोसाइटां में राजस्थानी बोलतां सरमावां। कोई जलसै में अध्यक्षता कर तो अंग्रेजी या प्रांतीय भासावां में व्यक्तव्य देवां। जद चीन दो आदमी भारत आवै तो बो आपरी भासा बोलै, रूस को रुसी बोलै, आपां अनुवाद र स्हारै आपणीं भासा में समझा। तो फेर अपणी भासा इत्ती माड़ी तो कोनी कै बोलतां सरम थंका। धड़ल्ले सूं बोलो, राजस्थानी बोलो, सुणणिया दूसरा नै पूछ पूछ अर्थ निकाल ले सी। म्हारो ओ अनुभव रै कि आपणों भासा सब जगां समझी जाबै है पर आपां बोलतां ही सरम महसूस करां।

आप लोग सम्मर्थ्यबान हो आपरी हिम्मत भासा री ढाल बनसी। आपरो प्रयास राजस्थानी नै मान्यता भी दिवसी अर भासा दो विकास भी होसी।

नागराज शर्मा, संरक्षक बिणजारो, पिलानी

एक लंबे अर्से के बाद 'समाज विकास' का जुलाई अंक प्राप्त हुआ। आपने अधिवेशन में दिये गये नारे का जिक्र किया - "संगठित समाज सशक्त आवाज"। यह वुलंद आवाज समाज में एक ऐसी जागृति पैदा करेगी जिससे समाज में एकता का प्रसार होगा एवं भिन्न-भिन्न रूपों में बिखरा समाज अपने आप संगठित होकर अपना एक ऐसा प्रारूप तैयार करेगा जो इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होगा। श्रद्धेय राजेन्द्र केडिया द्वारा लिखा विचार "नारी जागरण के लिये समर्पित श्रद्धालु जानकी देवी बजाज" पढ़ा, उनका चरित्र अपने समाज के लिये पूर्ण रूप से अनुकरणीय है। "पर्दा किससे रखें" महात्मा गांधी ने श्रद्धालु जानकी देवी बजाज से पूछा था। जानकी देवी बजाज ने पूर्ण रूप से इसका बहिष्कार कर, इस प्रथा को हटाने का भरपूर प्रयास कर, इसे हटाकर ही दम लिया। हम सभी समाजसेवी उन्हें नमन करते हैं। आपने केन्द्रीय कार्यालय की ओर से कुछ नई पहलों -- मारवाड़ी युवा-युवतियों के लिए रोजगार सहायता, वैवाहिक जीवन एवं पंचायत के लिये उपसमिति के गठन की चर्चा की। आर्थिक व बौद्धिक एवं श्रम की दृष्टि से हम सक्षम है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष सौभाग्यवान, पूर्ण रूप से शिक्षित, बौद्धिक, विचारवान एवं समाजसेवी हैं। उनके कार्यकाल में निश्चित रूप से "समाज विकास" पत्रिका द्वारा संपूर्ण देशवासियों को, जो हमारे समाज से जुड़े हैं, मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा एवं समाज में हर तबके को सुधारने में हम सक्षम होंगे।

– **सत्यनारायण तुलस्यान**, मुजफ्फरपुर, बिहार

एक दीया भारतमाता के जाँबाजों के नाम

दीपावली हर वर्ष आती है। इस बार की दीपावली कुछ अलग है। कारण कि इस बार दीपावली पर उन जवानों के घरों में दीपावली नहीं मनाई जायेगी, जो आतंकवादियों एवं दुश्मनों के कायरतापूर्ण आघात से शहीद हो गए हैं। दीपावली पर इन शहीदों को स्मरण करना हमारा पुनीत कर्तव्य है। जवानों के कारण ही हम अपने स्थान पर सुरक्षित रह पाते हैं। देश की सुरक्षा के खातिर उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

भारतमाता के जाँबाजों को सम्मान एवं श्रद्धांजलि देने के लिए एक-एक दीपक उनकी याद में जलाएँ। यह दीपावली हमारी कृतज्ञता की दिवाली होगी।

अध्यक्षीय

सम्मेलन को सशक्त करने में सबका योगदान आवश्यक

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

सर्वप्रथम आप सबको प्रकाश के पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए आशा करता हूँ कि आप सबने यह पावन पर्व अपने स्वजनों के साथ प्रेमपूर्वक मनाया होगा। महालक्ष्मी-गणेश की कृपा, आप सबके जीवन में स्वास्थ्य, सम्पन्नता एवं शान्ति लाये, यह कामना है।

जैसा आप जानते हैं, इस सत्र में हमने अपने अन्य कार्यक्रमों को जारी रखते हुए संगठन के सदस्यता-विस्तार को अपना मुख्य लक्ष्य रखा है। आपको बताते हुए हर्ष है कि केन्द्रीय कार्यालय से अब तक इस सत्र में ९५ विशिष्ट संरक्षक, १२ संरक्षक एवं १२३ आजीवन सदस्य बनाये जा चुके हैं। सभी प्रादेशिक शाखाओं से भी सदस्यता अभियान चलाने का अनुरोध किया गया था। बिहार, झारखंड, उत्कल, पश्चिम बंग, दिल्ली एवं पूर्वोत्तर शाखाओं ने भी इस विषय पर सक्रियता दिखायी है, साधुवाद! तथापि, हम अभी भी अपने लक्ष्य से कोसों दूर हैं। प्रांतीय, जिला, नगर-ग्राम शाखाओं और सभी सदस्यों, हर स्तर से प्रयास आवश्यक है।

जैसा आपको ज्ञात है, गत जून-जुलाई में हमने कोलकाता की समाज की अन्य संस्थाओं को भी सम्मेलन के साथ जोड़ने की पहल की थी। बताते हुए खुशी है कि अब तक २० स्थानीय संस्थाओं ने सम्मेलन की सम्बद्धता ग्रहण की है। और भी संस्थाओं को जोड़ने हेतु हम प्रयत्नशील हैं। इसी प्रकार प्रांत और नगर स्तर पर भी प्रयास होने चाहिए और समाज के हर वर्ग, हर व्यक्ति को सम्मेलन के कार्यक्रमों से जोड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

समाज के सम्मुख ज्वलंत समस्याओं में, वैवाहिक रिसेप्शन आदि में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन, एक चिंतनीय विषय है। सम्मेलन अपने विभिन्न बैठकों, विचारगोष्ठियों एवं अन्य माध्यमों से इस कुरीति के दुष्प्रभावों के संबंध में समाज के अधिकाधिक लोगों को सचेत करने का प्रयास करता आ रहा है। गत २ सितम्बर २०१६ को आयोजित, सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की समन्वय बैठक में मंच के शीर्ष नेतृत्व ने भी मद्यपान हतोत्साहन कार्यक्रम हेतु व्यापक जनजागरण अभियान चलाने पर सहमति जताई। आम राय यह थी कि मद्यपान पर स्वनियंत्रित पाबन्दी लगे, ऐसा माहौल तैयार किया जाय।

मैं सम्मेलन के जुड़े हर सज्जन से अनुरोध करना चाहूँगा कि अधिकाधिक लोगों को इस कुरीति से दूर रहने के लिए शिक्षित करने का हर सम्भव प्रयत्न करें।

आगामी ११ दिसम्बर २०१६ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पटना में अखिल भारतीय समिति की बैठक होने जा रही है। अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों से बैठक में भाग लेने का अनुरोध है। समय की पुकार है कि हम सब मिलकर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, जो समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है, को सशक्त करें। इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए सबका योगदान आवश्यक है।

जय समाज, जय राष्ट्र!

FLAT 17% DISCOUNT ON ALL MEDICINES

DOWNLOAD
SastaSundar app
your healthbuddy

NOW AVAILABLE ON

FREE HOME DELIVERY*

*T&C Apply

SastaSundar.com | Call: 3080 3080

सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा

सदस्यता अभियान को मिल रही है सफलता, प्रयास जारी रहे - प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा शनिवार, २४ सितम्बर २०१६ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

वार्षिक साधारण सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सर्वप्रथम सभी उपस्थितों का स्वागत किया और कहा कि संगठन के कार्यकलापों को विस्तारित करने तथा मजबूती प्रदान करने हेतु शुरू किए गये सदस्यता-विस्तार अभियान को सफलता मिल रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में **पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, दिल्ली, ओडिशा, पूर्वोत्तर, उत्तराखंड** सहित अन्य प्रदेशों से विभिन्न श्रेणियों में **लगभग १,५०० नये सदस्य** बने हैं। पश्चिम बंगाल में सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने का श्रेय राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** को देते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष १०,००० नये सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रत्येक सदस्य से कम से कम दस नये सदस्य बनाने का अनुरोध किया।

सम्मेलन की पिछली वार्षिक सभा (१९ सितम्बर २०१५; कोलकाता) का कार्यवृत्त सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पिछली सभा के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने, परीक्षकों द्वारा जाँचा गया, वित्तीय वर्ष २०१५-१६ का सम्मेलन का 'आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र' प्रस्तुत करते हुए इसे तैयार करने एवं अन्य वित्तीय मामलों में सहयोग हेतु निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** एवं वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** का आभार प्रकट किया। चर्चा में भाग लेते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने उत्तराखंड सहयोग हेतु एकत्रित धनराशि एवं वित्तीय महत्व के अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला। श्री आत्माराम सोन्थलिया ने समाज विकास के बढ़े हुए खर्चे के आलोक में सभी उपस्थितों से विज्ञापन सहयोग का अनुरोध किया। विचार-विमर्श के बाद 'आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र' सर्वसम्मति से पारित हुआ।

कार्यसूची के अनुसार, **श्री पी.के. लिल्हा** को अगले साधारण सभा तक के लिए लेखा परीक्षक बनाए रखने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन की उपलब्धियों एवं उपयोगिता के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि जब-जब देश के किसी भी भाग में समाज पर विपत्ति आयी है, सम्मेलन ने अपनी आवाज बुलंद की है। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश जैन** के देख-रेख में चलाये जा रहे '**रोजगार सहायता कार्यक्रम**' एवं **श्री ऋषि बागड़ी** की देख-रेख में चलाये जा रहे '**वैवाहिक परिचय कार्यक्रम**' पर भी चर्चा हुई एवं उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में इन कार्यक्रमों की सराहना की।

विदर्भवादी नेता एवं पूर्व सांसद **श्री बनवारीलाल पुरोहित** के असम का राज्यपाल मनोनीत होने के विषय में बताते हुए **श्री सांवरलाल शर्मा** ने सुझाव दिया कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित सांवैधानिक पदों पर समाजबंधुओं की नियुक्ति/मनोनयन होने पर उन्हें बधाई संदेश भेजा जाना चाहिए। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय कुमार डोकानियाँ** ने रियो (ब्राजील) में आयोजित पैरा ओलम्पिक खेलों में **श्री देवेन्द्र झाझरिया** के स्वर्णपदक जीतने एवं भारत सरकार द्वारा बिलियर्ड एवं स्नूकर खिलाड़ी **श्री सौरभ कोठारी** को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित करने के विषय में बताया और कहा कि वे भी बधाई के पात्र हैं। **श्री गोकुल मुरारका** ने सलाह दी कि सम्मेलन के हर सदस्य को सम्मेलन की ओर से एक पहचान पत्र देना चाहिए।

अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और सभा संपन्न हुयी। वार्षिक साधारण सभा में **सर्वश्री जे. पी. अग्रवाल, सीताराम शर्मा, शिव कुमार बागला, बिनोद कुमार अग्रवाल, के.के. डोकानिया, नंदकिशोर अग्रवाल, अभय कुमार सराफ, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', पवन सराफ, दामोदर प्र. बिदावतका, रामप्रसाद पोद्दार, बालकृष्ण माहेश्वरी, संजय गोयनका, पवन कुमार जालान, प्रमोद जैन, संजय शर्मा, अमित कुमार काहाली, ओमप्रकाश अग्रवाल, जगदीश प्र. पाटोदिया, शिव कुमार अग्रवाल, नारायण प्र. अगरवाला, कान्ति चन्द गोयनका, जुगल जाजोदिया, बिश्वनाथ भुवालका, चंदुलाल अग्रवाल, भानीराम सुरेका, सम्पत मल बच्छावत, आत्माराम लोढ़ा, केशव चाण्डक, गोपीराम धुवालिया, सुरेन्द्र अग्रवाल (केयाल), अखिलेश कुमार जैन, दिलीप बंसल, के.एम. दारूका, आनंद बाजोरिया, जे.आर. भदानी, जनार्दन अग्रवाल, बी. के. सुल्तानिया, प्रयाग राज बंसल, प्रवीण सिंघानिया, पंकज गोयनका, राम बिहारी खेतान, सत्यनारायण अग्रवाल, गोविन्द प्रकाश अग्रवाल, सरद सराफ, हरिराम अग्रवाल, राजेन्द्र राजा, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, सुरेश अग्रवाल, शम्भु कुमार मोदी, श्रीगोपाल अग्रवाल, राम बल्लभ मिश्रा** आदि उपस्थित थे। ★★★

फोनः (०३३) ४००४ ४०८९ स्थापित १९३५ ई-मेलः aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)

४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सारणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor) 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता,
राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रह्लाद राय अगरवाला
09830079111

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष सराफ
09830021319
रेन्द्र लाठ
09437488822
राज कुमार पुरोहित
09821243352
ओंकारमल अगरवाला
09435168368
कमल नोपानी
09431018530
अनिल कुमार जाजोदिया
09415201641

राष्ट्रीय महामंत्री
शिव कुमार लोहिया
09830553456

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
09830044079

ट्रीय संगठन मंत्री
संजय हरलालका
09804154115

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
दिनेश कुमार जैन
09831004542
दामोदर प्रसाद बिदावतका
09331015088

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं कर्नाटक

सम्मेलन भवन
२५ए, राजा राममोहन राय सरणी
(अमहर्स्ट स्ट्रीट)
कोलकाता-७०० ००९
फोन :(०३३) २३५० ९९२९

Contribution Exempted under 80G of I.Tax Act

अ.भा.मा.स./१९/२०१६-१७ २१ अक्तूबर २०१६

सूचना

अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में

प्रिय महोदय,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की इस सत्र की नवगठित अखिल भारतीय समिति की पहली बैठक, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, आगामी **११ दिसम्बर २०१६ (रविवार)** को **अपराह्न २:३० बजे, सेमचंद चौधरी मार्ग,** पटना स्थित **बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज सभागार** में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

भवदीय,

(शिव कुमार लोहिया)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय :

१. गत बैठक का कार्यवृत्त (संलग्न) पारित करना।
२. अध्यक्षीय संबोधन।
३. महामंत्री की रपट।
४. कोषाध्यक्ष द्वारा आर्थिक स्थिति पर रपट।
५. राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं शाखा सम्मेलनों की सांगठनिक स्थिति पर विचार-विमर्श।
६. भावी कार्यक्रमों पर विचार।
७. विविध - अध्यक्ष की अनुमति से।

विशेष नोट: बिहार के बाहर से पधारने वाले माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने आगमन एवं प्रस्थान सम्बंधी पूर्व सूचना श्री बिनोद तोदी, वरीय उपाध्यक्ष, बिहार सम्मेलन (मो. ९३३४११३४५) या श्री ओमप्रकाश टिबड़ेवाल, महामंत्री, बिहार सम्मेलन (मो. ७२५७००४४७७) या श्री सदानंद अग्रवाल (मो. ९४३१०३५४८१) को यथाशीघ्र देने की कृपा करें ताकि आवश्यकतानुसार स्वागत एवं निवास आदि की समुचित व्यवस्था की जा सके। कृपया समन्वय हेतु केन्द्रीय कार्यालय को भी अवश्य सूचित करें।

पंजीकृत कार्यालयः ९५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७०० ००७
फैक्स/फोन : (०३३) २२६८ ०३९९

सम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक

❐ तय हुई आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा

❐ दालखोला के व्यवसायी की हत्या पर क्षोभ व्यक्त

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षों तथा वर्तमान पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्मेलन कार्यालय डकबैक हाउस में गत ५ अक्तूबर २०१६ को हुई। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लादराय अगरवाला, पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा, नन्दलाल रुँगटा, हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दामोदर बिदावतका, फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोन्थलिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य विवेक गुप्त, सांसद, भगवती प्रसाद जालान सहित दिनेश जैन व अन्य उपस्थित थे। मीटिंग में आगामी दिनों के कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई, जिसमें अक्तूबर में दीपावली प्रीति सम्मेलन, दिसम्बर में सम्मेलन स्थापना दिवस सहित उत्तराखण्ड में सम्मेलन के आर्थिक सहयोग से एक विद्यालय बनाने की दिशा में विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की प्रथम बैठक ११ दिसम्बर २०१६ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पटना में आयोजित करने पर सहमति बनी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अगरवाला ने बताया कि कोलकाता-हवड़ा की २० संस्थाओं ने सम्मेलन से सम्बद्धता सम्बन्धी प्रपत्र भर कर भेजा है। आगामी दिनों में बंगाल सहित पूरे देश में प्रान्तों व शाखाओं के माध्यम से समाज की अन्य संस्थाओं को एक छतरी के नीचे लाने का प्रयास किया जायेगा ताकि पूरे देश में हमारा एक संगठित स्वरूप दिखे और कोलकाता में हुए गत अधिवेशन में दिये गये नारे 'संगठित समाज, सशक्त आवाज' के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को बल मिले। सभी वरिष्ठ सदस्यों ने सम्मेलन के इस प्रयास की सराहना की।

बैठक में प्रह्लादराय अगरवाला, सीताराम शर्मा, नन्दलाल रुँगटा, हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, आत्माराम सोन्थलिया, संतोष सराफ, शिवकुमार लोहिया, संजय हरलालका, कैलाशपति तोदी, दामोदर प्रसाद बिदावतका।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

केन्द्रिय वित्त राज्य मंत्री का सम्मान समारोह

गत २३ सितम्बर २०१६ को झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के आमंत्रण पर बीकानेर (राजस्थान) से सांसद सह भारत सरकार के केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री **श्री अर्जुन राम मेघवाल** राँची स्थित श्री दीगम्बर जैन भवन में पधारे।

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में मारवाड़ी सहायक समिति, मारवाड़ी युवा मंच, फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, अग्रवाल सभा, माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी ब्राह्मण सभा, श्री दिगम्बर जैन पंचायत, श्री ओसवाल सभा, श्री विजयवर्गीय सभा, श्री हरियाणा संघ, नागरमल मोदी सेवा सदन, भगवान महावीर हॉस्पीटल, शिवनारायण कन्या पाठशाला, श्याम मण्डल, श्री राँची गौशाला न्यास, जैन जागृति मंच, मारवाड़ी महिला सम्मेलन सहित शहर की ३३ सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रान्तीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने मंत्री महोदय को पुष्पगुच्छ, शाल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी**, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष **श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया, श्री भागचंद पोद्दार, श्री राजकुमार केडिया**, प्रान्तीय महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल**, प्रान्तीय उपाध्यक्ष **श्री रतनलाल बंका, श्री ओम प्रकाश प्रणव, श्री नंदकिशोर पाटोदिया, श्री कमल कुमार केडिया, श्री धर्मचंद जैन रारा, श्री रविशंकर शर्मा** (राँची जिला अध्यक्ष), **श्री वेद प्रकाश अग्रवाल** एवं सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों के अतिरिक्त अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

श्री गाड़ोदिया ने मंत्री महोदय को बताया कि झारखण्ड में करीब १० लाख प्रवासी मारवाड़ी निवास करते हैं। मारवाड़ी समाज व्यापार, उद्योग के अलावा वकील, चिकित्सक, न्यायाधीश, चाटर्ड एकाउण्टेन्ट, इंजीनियर एवं सरकारी सेवा में लगे हैं। इसी वर्ष झारखण्ड के चार युवाओं ने संघ लोक सेवा आयोग में सफलता प्राप्त की है एवं शिक्षा के क्षेत्र में झारखण्ड में मारवाड़ी समाज के बच्चों का प्रदर्शन बहुत उत्साहजनक एवं प्रशंसनीय है। समाज द्वारा संचालित धर्मशाला, व्यायामशाला, अस्पताल, गौशाला, स्कूल, महाविद्यालय के माध्यम से समाज एवं ईतर समाज के लोगों की सेवा करते हैं।

मंत्री महोदय ने समाज के द्वारा किये जाने वाले कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मंत्री महोदय सभा में उपस्थित सभी सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से मिले एवं सभा की माँग पर उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने के लिये कारगर प्रयास किया जायेगा।

बैठक की खास बात यह रही कि मंत्री सहित सभी अतिथियों एवं वक्ताओं ने अपने विचार मारवाड़ी भाषा में रखे। श्री विनय सरावगी एवं श्री रविशंकर शर्मा ने मंच संचालन किया एवं श्री बसंत कुमार मित्तल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रांतीय समाचार : बिहार

सम्मेलन की पटना नगरशाखा का अन्नसेवा कार्यक्रम

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पटना नगर शाखा द्वारा गत ०२ अक्तूबर २०१६ को पटना स्थित एग्जीबिशन रोड चौराहा पर अन्नसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत भंडारा का आयोजन किया गया। जनसेवा के इस कार्यक्रम में लगभग १५०० लोगों को शुद्ध और गर्म भोजन करवाया गया एवं शीतल जल की व्यवस्था की गई। अन्नसेवा का यह कार्यक्रम हर महीने समाजबन्धुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शाखा का छठवाँ अन्न सेवा का कार्यक्रम प्रसिद्ध समाजसेवी **श्री मोहन लाल जी अग्रवाल** के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी**, प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल झुनझुनवाला**, शाखाध्यक्ष **श्री अंजनी सुरेका**, निवर्तमान शाखाध्यक्ष **श्री राकेश बंसल**, मंत्री **श्री रंदीप झुनझुनवाला**, शाखा सदस्य **सर्वश्री रामलाल खेतान, अभिषेक अग्रवाल, मधुसूदन टिबड़ेवाल, विकास बैरोलिया, शशी गोयल, सुशील सुन्दरका, संजय मोहनका, विनोद तोदी, अमित जालान, सुनिल मोर, ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, अनिल गप्ता, महेश शर्मा** आदि ने उपस्थित होकर जनसेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया।

दीपावली पर विशेष

ज्योति से ज्योति जले

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

ऐसा कहा जाता है कि एक समय था जब हमारे समाज में वर्ष में ३६५ त्यौहार थे। पिछले ५०० वर्ष की गरीबी के कारण अब गिने-चुने त्यौहार बचे हैं। इनमें से दीपावली का विशेष महत्व है। पूरे देश में यह अलग-अलग रस्मों-रिवाजों के साथ मनायी जाती है। दीपावली त्यौहार के साथ कम से कम १० ऐतिहासिक एवं धार्मिक मिथक जुड़े हुए हैं। ऐसा माना जाता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन लक्ष्मीजी का अवतरण हुआ। इसी दिन भगवान विष्णु ने बलि राजा के कारागार से लक्ष्मी जी को मुक्त करवाया था। चौदस के दिन भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर का वध करके १६००० रानियों को मुक्त करवाया था। १२ वर्षों के अज्ञातवास के बाद उसी दिन पाँच पांडव प्रकट हुए थे। रावण का वध कर राम इसी दिन अयोध्या लौटे थे। राजा विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। सिखों के तीसरे गुरु अमर दास ने एकत्रित होकर सिखों को इसी दिन गुरु से आशीर्वाद लेने की प्रथा प्रारम्भ की। सन् १५७७ को इसी दिन अमृतसर मे स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इसी दिन मुगल राजा जहांगीर ने छठवें सिख गुरु हरगोविन्द सिंह को रिहा किया था। जैन तीर्थंकर भगवान महावीर एवं आर्य समाज प्रवर्तक महर्षि दयानंद का इसी दिन निर्वाण हुआ था।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी, अमावस्या, गोवर्धन पूजन एवं भातृ द्वितीया - पाँच दिन के इन पाँच त्यौहारों की अलग-अलग कथायें एवं मान्यताएं हैं। दीपावली महापर्व पाँच पर्व का योग है। दीपावली का अर्थ है दीपो की पंक्ति। इस प्रकार दीपावली ज्योति का महापर्व है। खासकर यह दीपक की ज्योति का पर्व है। दीपक की ज्योति का अपना खास महत्व है। मनीषियों ने दीप ज्योति की इन शब्दों में आराधना की है -

शुभं करोति कल्याणंआरोग्यं धन संपदा।
शुत्र बुद्धि विनाशाय, दीपज्योर्ति नमोऽस्तुते।।

यानि दीपक की ज्योति कल्याणकारक, आरोग्यदायक है एवं धनसम्पदा देती है। नकारात्मक शत्रुरूपी विचारों का नाश करती है। ऐसे दीप ज्योति को प्रणाम है।

दीपज्योतिः परब्रह्म दीप ज्योतिर्जनादनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योति नमोऽस्तुते।।

दीपज्योति परब्रह्म है, दीपज्योति जनार्दन (विष्णु) का प्रतिनिधित्व करती है। हमारे पाप को हरती है। दीपज्योति को नमन।

इन श्लोकों से हम दीपज्योति के महत्व को समझ सकते है। श्रद्धा एवं शालीनता के साथ इसका पूजन आवश्यक है। यह ज्योति जब हमारे जीवन पथ को एवं अंतर्मन को आलोकित करती है तो इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। बाहर का दीपक स्थूल है, जो शरीर का प्रतिनिधित्व करती है। इसकी ज्योति आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा का संदेश देने आता है यह ज्योति पर्व। कवि के शब्दों में :

उजियारे की आत्मा, अंधियारे की देह।
अपने भीतर झांकिये, मिटे सभी संदेह।।

घर में हम दीपक जलाते हैं। कविवर नीरज ने उसमें नीहित संदेश को इन पंक्तियो मे व्यक्त किया है :-

नई ज्योति के धर नये पंख झिलमिल
उडे मर्त्य मिट्टी गगन-स्वर्ग छू ले,
लगे रोशनी की झड़ी झुम ऐसी
निशा की गली में तिमिर राह भूले,
खुले मुक्ति का वह किरण-द्वार जगमग
उषा जा न पाए, निशा आ ना पाए।

दीपक की लौ मानव को संदेश देती है – हे मनुष, अज्ञानता के नींद से जागो। अपने आत्मा का चिरंतन एवं सतत प्रकाश का संज्ञान लो। गहन जिज्ञासा एवं ध्यान के माध्यम से अंर्तमन के प्रकाश का साक्षात्कार करो। इस अंतर्आत्मा में सूर्य, चन्द्रमा या तारों का प्रकाश नहीं जाता। सभी ज्योतियों के ज्योति स्वरूप परमात्मा से एकाकार होकर स्वयं को दीपक बनाओ। कवि नीरज ने इन पंक्तियो में स्पष्ट किया है कि सिर्फ दीपज्योति पर्याप्त नहीं हैं –

मगर दीप की दीप्ति से सिर्फ जग में
नहीं मिट सका है धरा का अंधेरा,
उतर क्यों न आएँ नखत सब नयन के,
नहीं कर सकेंगे हृदय मे उजैरा,
कटेंगे तभी यह अँधेरे घिरे अब
स्वयं धर मनुज दीप का रुप आए।

दीपवाली एक संदेश यह भी है – असत्य पर सत्य की विजय। हमारा शरीर हमें मिला है। हमे जीवन को उत्सव बनाना है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि दिव्यता हमारे अंदर ही है। **हमें हमारी दिव्यता का भान हो जाय एवं हम जीवन को दिव्य बना लें – यही दीपावली का संदेश है।** अपने जीवन के माध्यम से चतुर्दिक हम प्रेम एवं सौहार्द का संदेश फैलायें। ईश्वरप्रदत्त दिव्यता में अनेक अनमोल रत्न भरे पड़े हैं। ये हैं – आनंद, उत्साह, आत्मबोध, सेवा, परहित। हम अपने दिव्य जीवन से अनगिनत जीवनों में ज्योति भर सकते हैं। केदारनाथ अग्रवाल ने इस संदेश को सुंदर ढंग से अपने शब्दों में ढाला है –

हम लघु दीपक के समान ही
जले ज्योति ले
और ज्योति में ज्योति मिला कर
रहे जागते
बुझने से पहले
प्रयाण करने से पहले
शुभागमन हम
सूर्योदय का रहे साजते।

गीता (१०/९) मे कहा गया है **'बोधयंत परस्परम्'** – एक दूसरे को प्रकाशित करना। प्रकाशित होने का तात्पर्य है अबोधता या अज्ञानता से बाहर निकलना। व्यक्ति का मन जब प्रकाशित होता है तो वह अपना लक्ष्य या जीवन का उद्देश्य समझ जाता है। दूसरों को तब प्रकाशित व्यक्ति अपने प्रकाश से ही राह दिखने की क्षमता हासिल कर लेता है। ज्ञानी व्यक्ति 'मै' एवं 'मेरा' के भ्रमजाल से निकल जाता है। अपने इर्द-गिर्द के सामाजिक जीवन के प्रति वह सजग हो जाता है। ज्ञानप्रदत्त एवं जनित आनंद वह सभी के साथ बाँटने को तत्पर रहता है। **यही संदेश दीपावली का है।** भारतीय संस्कृति की भूलभूत अवधारणा 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः' की है। हमारा यह कर्त्तव्य है कि दीपावली के शुभ अवसर पर विश्वकल्याण की भावना से ओतप्रोत समाज के कमजोर भाई बहनों के बारे में सोचें। उन चेहरों पर खुशियाँ लाने का प्रयास करें, जिनके घर में चूल्हा नहीं जला है, जिनका तन ढका नहीं है या जिनके सिर पर छत्त नहीं है। कहा भी गया है कि अगर आप दूसरों के लिए दीपक जलायें तो आपका पथ भी आलोकित होगा। दूसरों की खुशियों में ही खुशी पाना, सुखी रहने का सर्वसुलभ मार्ग है। दीपावली के अवसर पर अधिकाधिक लोगों में हम खुशियाँ बाँटे, तभी हमारी दीवाली सार्थक होगी। ★★★

समाचार सार

बधाई

श्री दिनेश जैन कलकत्ता चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के नये अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दिनेश जैन ने हाल ही में कोलकाता की प्रतिष्ठित प्राचीन व्यापारिक संस्था कलकत्ता चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पद का भार ग्रहण किया है। उनके इस निर्वाचन से सम्मेलन परिवार हर्षित एवं गर्वित है। समाज विकास की ओर से श्री जैन को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ!

महाराजा अग्रसेन पर मालदीव द्वारा डाक टिकट जारी

गत १ अक्टूबर को मालदीव ने महाराजा अग्रसेन की जन्मजयंती पर उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया है। यह डाक टिकट भारत-मालदीव के बढ़ते व्यापारिक संबंधो को देखते हुए जारी किया गया है। समाचार-पत्रों के खबरों के अनुसार यह डाक टिकट मारवाड़ी व्यापारिक समुदाय के बढ़ते सहयोग के मद्देनजर जारी किया गया है।

ज्ञातव्य है कि भारत सरकार ने सन् १९७६ मे महाराजा अग्रसेन पर एक डाक टिकट जारी किया था। यह पहला अवसर है जबकि किसी विदेशी राष्ट्र ने ऐसे समुदाय विशेष पर डाक टिकट जारी किया है।

इस डाक टिकट की डिजायन कोलकाता के श्री आलोक गोयल ने की है।

डाक टिकट का आकार असाधारण है। इस आकार का डाक टिकट विश्व में पहली बार जारी किया गया है। इस कारण डाक टिकट प्रेमियों में इस डाक टिकट के बारे में कौतूहल है।

डाक टिकट के साथ एक विशिष्ट फोल्डर सुनहरी पत्ती देकर बनाया गया है। इस फोल्डर में महाराजा अग्रसेन एवं अग्रवाल समुदाय के बारे में जानकारी दी गई है।

सम्मान समारोह

गत २५ सितम्बर २०१६ को **बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स** के हॉल में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजबन्धुओं को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसका उद्घाटन बिहार विधान सभा अध्यक्ष माननीय **श्री विजय कुमार चौधरी** ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद **श्री ललन कुमार सर्राफ** तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** उपस्थित थे। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला** ने इन तीनों को राजस्थान की प्रतीक पगड़ी, अंगवस्त्र एवं सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया।

विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी के द्वारा पगड़ी, अंगवस्त्र एवं सम्मान चिन्ह देकर **सर्वश्री रामपाल अग्रवाल नूतन, श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला, श्री विजय कु. किशोरपुरिया, राधेश्याम बंसल, रमेश चन्द्र गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, डा. राशि मोहनका, डा. आर. के. मोदी, सत्यदर्शी संजय, राधेश्याम अग्रवाल, माँ बैष्णो देवी सेवा समिति** (पटना), **श्रीमती पद्मा कुमारी चौबे** (हाजीपुर), **ईश्वर. प्र. गोयनका** (पटनासिटी), **नारायण प्रसाद कोटरीवाल, राम गोपाल पोद्दार** (भागलपुर), **डा. देवी राम** (पूर्णिया), **पवन कु. सुरेका** (दरभंगा), **मातादीन अग्रवाल, विष्णु कुमार गोयनका** (आरा), **राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल** (मुजफ्फरपुर) साथ ही मरणोपरांत **स्व. विश्वनाथ केडिया** (सहरसा) को **'समाज रत्न'** की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समाज रत्नों के साथ गणमान्य अतिथिगण एवं सम्मेलन के पदाधिकारी

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

समाचार सार

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया सम्मानित

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी तथा सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया को हाउस ऑफ लार्ड्स, लन्दन में गत ३० सितम्बर २०१६ को एन.आर.आई. वेलफेयर सोसाईटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'महात्मा गांधी सम्मान' से नवाजते भाजपा नेता विजय जौली एवं बैरोनेस वर्मा।

गोइन्का पुरस्कार के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित

कमला गोइन्का फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी श्री श्यामसुन्दर गोइन्का ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके हिन्दी से बंगला व बंगला से हिन्दी अनुवाद के लिए नामचीन चिंतक, दार्शनिक व लेखक की स्मृति में सद्य घोषित श्री प्रभात रंजन सरकार स्मृति पुरस्कार के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की है।

श्री गोइन्का ने जानकारी दी है कि जिन साहित्यकारों ने बंगला से हिन्दी में या हिन्दी से बंगला में किसी पुस्तक का पिछले दस वर्षों में अनुवाद किया है, वे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। **प्रविष्टियाँ मिलने की अंतिम तिथि ३० नवंबर २०१६ है।**

नियमावली एवं प्रस्ताव-पत्र के लिए वेब साइट : www.kgfmumbai.com का अवलोकन करें। अधिक जानकारी के लिए बैंगलोर दूरभाषः ९९०००२०१६१ (कमलेश) या इ-डाक kgf@gogoindia.com से संपर्क किया जा सकता है।

सजन कुमार बंसल सम्मानित

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री सजन कुमार बंसल को श्री अग्रसेन समिति ने गत २५ सितम्बर २०१६ को 'अग्र गौरव सम्मान' से सम्मानित किया।

अमर बंसल बने स्वच्छता एम्बेसेडर

रायपुर, छत्तीसगढ़ के श्री अमर बंसल को स्वच्छता अभियान में उल्लेखनीय सेवाओं के आलोक में रायपुर नगर पालिक निगम ने उन्हें 'स्वच्छता एम्बेसेडर' मनोनीत किया है। ज्ञातव्य है कि श्री बंसल सम्मेलन के कार्यक्रमों से भी सक्रियता से जुड़े हैं और एक कर्मठ समाजसेवी हैं।

श्री बंसल को हमारी बधाई!

प्रान्तीय समाचार : उत्कल

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के केसिंगा शाखा द्वारा आयोजित मेडिकल कैम्प का एक दृश्य। शाखाध्यक्ष श्री सुन्दरलाल जैन ने बताया कि कैम्प में कुल ३०० रोगी उपस्थित हुए।

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

कोलकाता दुर्गापूजा परिक्रमा २०१६

बंगाल में दुर्गापूजा आयोजन की शुरूआत जमीदारों के घर से हुई थी। बरीशा में सवर्ण रायचौधरी के परिवार ने संभवतः प्रथम दुर्गापूजा का आयोजन सन् १६१० में किया था। उसके बाद सम्पन्न परिवारों मे पूजा की प्रथा चलती रही। सन् १७९० में गुप्तीपाड़ा, हुगली में १२ ब्राह्मण मित्रों ने चंदा लेकर पूजा आयोजित की, इसे बारोयारी पूजा की संज्ञा दी गई। बारो यानि १२, यारी यानि मित्र। यह बारोयारी पूजा बाद में चलकर सर्वजनीन दुर्गापूजा में तब्दील हो गई। कोलकाता में सन् १९०९ में धर्मोत्साहिनी सभा ने बलराम बसु घाट रोड, भवानीपुर में सर्वप्रथम सर्वजनीन पूजा प्रारम्भ की गई। समय पाकर इसका रूप व्यापक होता चला गया। १९९० के बाद से पंडाल सज्जा, एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न सजावट, आलोक सज्जा नये-नये रूप लेती चली गई। अलग अलग थीम पर सजावट होने लगे। नामी गिरामी शिल्पकार भी इसमें जुड़ते चले गए। दुर्गापूजा का शुभारंभ महालया के दिन चंडीपाठ से होता है। या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता.....। पंडालो में सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके, के मंत्रोचार, ढाक के लयबद्ध वादन, धूपबत्ती की सुगंध, उलूक ध्वनि, फूल सज्जा एवं धुनों के बीच असंख्य लोगो की पंक्ति दुर्गापूजा को विशेष कर देती है। पूजा प्रारम्भ होने के पहले रिवाज है मूर्ति को चक्षुदान का। मूर्तियों में रंग की तुलिका से चक्षु प्रदान किया जाता है। इस बार कई खास पूजा-पंडालो में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं इस रस्म की अदायगी की।

पूजा के समय कोलकाता शहर दुल्हन की तरह सज जाता है। वस्तुतः इस आयोजन को खुले आकाश के नीचे विश्व के वृहत्तम कलाप्रदर्शनी की संज्ञा भी दी जाती है। उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम पूजा पंडालों में आकर्षक छटा विखरी रहती है। इससे सहज ही पता चल जाता है कि कोलकाता को देश की सांस्कृतिक राजधानी क्यों कहा जाता है। साथ-साथ नये-नये रंग-बिरंगे पोशाक, चमकते आभूषण, नये जूते, नये-बैग एवं केश-विन्यास के साथ कोलकातावासी आनंद से ओत-प्रोत पूरे शहर को सकारात्मक उर्जा से भर देते हैं। यह ऐसा समय है जब तीन रात तक आनंद में मग्न लोग सड़कों पर घूमते नजर आते हैं। इस आयोजन की विशिष्टता की छाप विदेशी मेहमानों पर भी पड़े बिना नहीं रहती। इस वर्ष दुर्गापूजा मे विदेशी राजनयिकों ने विभिन्न पंडालो में घूमकर इस आयोजन की विशिष्टता को सराहा एवं इसका भरपूर आनंद लिया।

विभिन्न पंडालो में अलग अलग थीम पर समग्रता के साथ साजसज्जा, आलोक एवं संगीत का सम्मिश्रण किया जाता है। विश्व की कोई भी घटना हो, जन जीवन की झलक देने की बात हो, आयोजनकर्ता सोच विचार कर थीम का चयन करते हैं। इस वर्ष के कुछ थीम इस प्रकार के थे –

करोड़ से अधिक के आभूषण, पूरी मे जगन्नाथ मंदिर को दर्शाता पंडाल, पूरी की तर्ज पर खाजा प्रसाद। **सुरूचि संघ** भूटान के मठ को दर्शाता यह पंडाल एकता एवं विश्वशांति का पाठ पढ़ाता नजर आया। **त्रिधारा अकालबोधन** ने गिर, गुजरात के जंगल मे शेरों का शिकार करनेवाले एक दर्जन से अधिक आदिवासियों को बुलाया। कोलकातावासियों के सामने इन्होंने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में उनके विशेष अस्त्र-शस्त्र देखने को मिले। ५० भैसों के धड़ को रसायन का प्रयोग करके उन्हे प्रदर्शित किया गया। **मुदियाली क्लब** - राजस्थान की कला प्रदर्शित करता पंडाल बनाया गया। **सेलिमपूर पल्ली** -

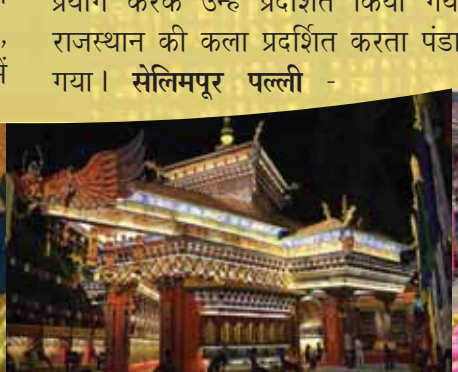

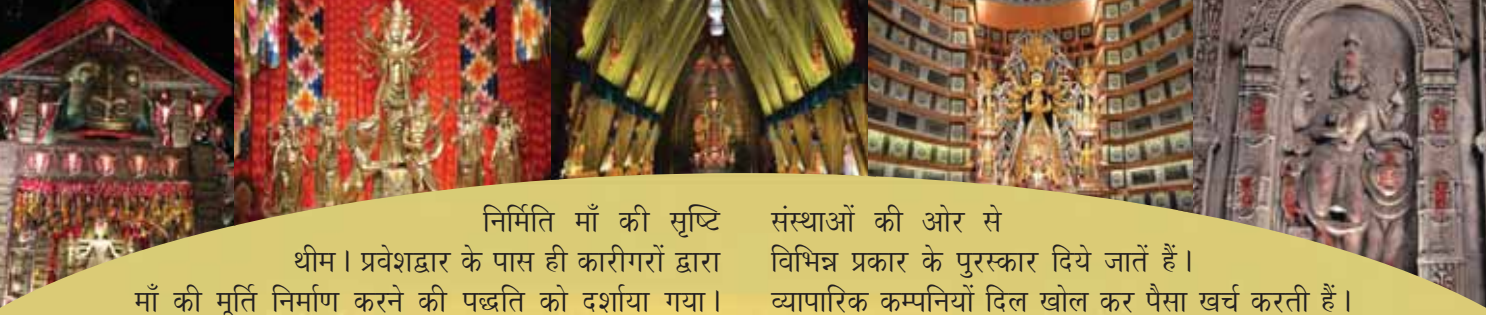

निर्मिति माँ की सृष्टि थीम। प्रवेशद्वार के पास ही कारीगरों द्वारा माँ की मूर्ति निर्माण करने की पद्धति को दर्शाया गया। **बोसपुकुर-तालवगान** - मणिपूरी नृत्य। ५० फीट के कृष्ण के इर्द-गिर्द २५ फीट की राधा, गोपियाँ के साथ नृत्य करते हुए दर्शाया गया। **हिन्दुस्तान पार्क** - थीम, पिछू टान। पुराने जमाने की याद ताजा करते हुए, सुपारी फोडने का सरोता, कांथा सिलाई दादी मां के समय की याद दिलाते हुए। **समाज सेवी संघ** - नारी सशक्तिकरण। पंडाल के बाहर तीसरी आंख दर्शाया गया। **६६ पल्ली** - थीम, तिलोत्तमा रेखाये रेखाये प्रानेर शहर। 3D के माध्यम से पंडाल के विशाल पर्दे पर कोलकाता के ३०० वर्षो का इतिहास दर्शाया गया। **चेतला अग्रणी** - थीम, ध्यान योग। ७००० बाँसों के सहायता से आकृति बनाकर ध्यान योग दर्शाया गया। **बागबजार** - थीम सर्कस। कुछ अन्य थीम इस प्रकार थे – ओपारेर साझे ए पारेर पूजो – बंगलादेश के नये वर्ष के उत्सव का मेल दिखाया गया। एक पूजा में एक पत्थर से तराशी हुई मूर्ति पर २४ कैरेट सोने का आवरण चढ़ाया गया। इस प्रकार अनेकानेक थीमों पर आयोजित की गई इस वर्ष की दुर्गापूजा। कई पंडालो में सेल्फी खिंचनेवालों के लिए अलग सेल्फी कार्नर निर्धारित किया गया।

१९८५ मे सर्वप्रथम एशियन पेंट्स द्वारा शरद सम्मान की घोषणा से पूजा की ब्रांडिग प्रारम्भ हो गई। अब तो अनेकों संस्थाओं की ओर से विभिन्न प्रकार के पुरस्कार दिये जातें हैं। व्यापारिक कम्पनियों दिल खोल कर पैसा खर्च करती हैं। दुर्गापूजा के अवसर पर विभिन्न संगठन, बुजुर्गो, बच्चों, मरीजो को पूजा-पंडाल घुमाने की व्यवस्था करते हैं। हजारों की संख्या मे पुलिसकर्मी निष्ठा एवं लगन से दिन-रात व्यवस्था में संलग्न रहते हैं। इस बार एक्सिस माल में जर्मनी से मँगवाकर माँ दुर्गा की बर्फ की मूर्ति प्रदर्शित की गई। ऐसा प्रथम बार हुआ। कुल मिलाकर यह अनुमान है कि पश्चिम बंगाल में २२ हजार के लगभग सर्वजनीन पूजा सम्पन्न हुई जिसमें कोलकाता में हुई पूजा की संख्या ४५०० बताई जाती है।

इस बार अमेरिका के वरिष्ठ राजनयिक श्री डेविड ही. डोनाह्यू पूजा का आनंद लेने विशेष रूप से कोलकाता पधारे। देखकर उन्होंने कहा कि इस आयोजन को अंतराष्ट्रीय स्तर का बनने के लिए सभी आवश्यक उपादान मौजूद हैं। यह कैरिबियन में कार्निवाल एवं संघाई, हांगकांग और सिंगापुर के नये वर्ष के उत्सव की तरह है।

इस त्यौहार की समाप्ति दशमी के दिन सिंदूर खेलने से होती है, जिसमें महिलायें आपस में एक दूसरे को सिंदूर लगाती हैं एवं रुआँसा होकर माँ को बिदा करती हैं, इस वादे के साथ कि अगले वर्ष माँ फिर आयेंगी।

प्रस्तुति - **शिव कुमार लोहिया**

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

हरि के यान का हरियाणा

– बाबूलाल धनानिया

भारत के मानचित्र में हरियाणा प्रदेश का अस्तित्व भले ही कुछ दशकों पूर्व हुआ किन्तु इसका इतिहास बहुत पुराना है। भगवान नरनारायण ने द्वापर में लीला-विग्रह श्रीकृष्ण और अर्जुन के रूप में अवतार लिया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना सखा बनाया और महाभारत युद्ध में उनके सारथी बनकर इस पावन-भूमि पर अपना यान (रथ) दौड़ाया। इसी पुरातन तथ्य के आधार पर इस प्रदेश का नाम हरियाणा पड़ा। अपनी पावनता के कारण हरियाणा के कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है। महाराज कुरु ने ८४ कोस के भूमि-भाग में धर्म की खेती की थी। देवराज इन्द्र ने प्रसन्न होकर इसे धर्मक्षेत्र घोषित किया और वरदान दिया कि यहाँ प्राणत्याग करनेवाले को मुक्ति मिलेगी। इसीलिए यहाँ १८ दिनों का महाभारत रचाया गया और योगेश्वर कृष्ण ने युद्ध के आरम्भ में 'धर्मक्षेत्रे-कुरुक्षेत्रे' शब्दों से आरम्भ कर अर्जुन को १८ अध्यायों की गीता सुनाई थी। यही नहीं, इसके पूर्व भी शरणागत काशीराज की कन्या अम्बा के लिए गुरु-शिष्य परशुराम और पितामह भीष्म का इक्कीस दिनों तक संग्राम इसी कुरुक्षेत्र में हुआ था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के साथ लेखक

धर्म, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में भी हरियाणा के साथ प्राचीनतम इतिहास जुड़ा है। पवित्र नदी सरस्वती का प्रथम प्रवेश इसी प्रदेश में हुआ। विष्णु के दशावतारों में से छठे अवतार परशुराम का आविर्भाव यहीं रेणुकाश्रम में हुआ। पुराण और महाभारत के रचयिता भगवान वेदव्यास ने यहीं व्यासवन में वेदों का विभाग करके अपने चार शिष्यों को दिया। मनुस्मृति और पराशर स्मृति यहीं रची गई। पृथ्वीराज रासो के रचयिता चन्दबरदाई हिसार के थे। महाराज हर्ष के शासन और कादम्बरी के रचयिता बाणभट्ट को कौन नहीं जानता। पानीपत के तीन प्रसिद्ध युद्ध जुझारू जाटों के इसी प्रदेश में हुए। आज से पाँच हजार दो सौ वर्ष पूर्व अग्रोहा के महाराज अग्रसेन का शासन महत्वपूर्ण रहा है।

१ नवम्बर, १९६६ को हरियाणा राज्य का पृथक गठन हुआ। भाषाई आधार पर पंजाब से इसे अलग किया गया। दिल्ली, उत्तर-प्रदेश और राजस्थान के कुछ भागों को मिलाकर इसका विस्तार किया गया। इसका कुल क्षेत्रफल ४४२१२ वर्ग किलोमीटर है। इसमे २१ जिले हैं। कुल आबादी लगभग ढाई करोड़ है। लोकसभा की १० और विधान सभा की ९० सीटें हैं।

हरियाणा के गठन के बाद इसके कई प्रमुख शासनाध्यक्ष हुए है। पंडित भगवत दयाल शर्मा इसके प्रथम मुख्यमंत्री थे जिन्होंने दो साल तक सत्ता संभाली। इसके बाद के माननीय मुख्यमंत्रियों में चौधरी वंसीलाल, बनारसी दास गुप्त, चौधरी देवीलाल, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला तथा सन् २००५ के बाद भूपेन्दर सिंह हुड्डा के नाम उल्लेखनीय हैं। सम्प्रति यहाँ भारतीय जनता दल का शासन है जिसके मनोहर लाल खट्टर माननीय मुख्यमंत्री हैं। आप के शासनकाल में कृषि, उद्योग, विपणन, परिवहन और खेलकूद के क्षेत्र में राज्य का तेजी से विकास हो रहा है।

अपने गठन के बाद हरियाणा अन्य प्रदेशों की अपेक्षा तेजी से प्रगति कर रहा है। कहावत है – देशों में देश हरियाणा, जहाँ दूध दही का खाना। हरियानवी गायें पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। उद्योगों की बात करें तो कार, मोटर साइकिल, साइकिल, ट्रैक्टर और रेफ्रिजेरेटर का सबसे अधिक निर्माण हरियाणा में होता है। गुड़गाँव, हिसार, पानीपत और फरीदाबाद इसके मुख्य केन्द्र हैं। रोहतक एशिया में कपड़े का सबसे बड़ा निर्माता है। मारुति, सुजुकी, हीरो होण्डा, अमूल डेयरी, एशियन पेंट और यूरिया यहाँ के उत्पादों में प्रमुख हैं। उद्योग जगत और भारतीय अर्थ व्यवस्था को प्रगति प्रदान करनेवाले बाबा रामदेव और नवीन जिन्दल यहीं के हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाना एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी एशिया की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

सम्मेलन की संबद्ध संस्थाएँ

श्री मंडावा पिंजरापोल

अध्यक्ष
श्री कांति चंद्र गोयनका

सचिव
श्री गिरधारी लाल खेमानी

श्री मंडावा पिंजरापोल ट्रस्ट (कोलकाता)

मानद ट्रस्टीगण

श्री गिरधारी लाल खेमानी, श्री क्रांति चंद्र गोयनका, श्री ललित कुमार चोखानी, श्री ओम प्रकाश हरलालका, श्री सतीश देवड़ा, श्री आत्माराम सोंथलिया

कोलकाता कमिटी

श्री कांति चन्द्र गोयनका - अध्यक्ष
श्री गिरधारी लाल खेमानी - सचिव एवं कोषाध्यक्ष
श्री ललित कुमार चोखानी - संयुक्त मंत्री

सदस्यगण

श्री नन्दकिशोर बाजोरिया, श्री बिमल कुमार लाठ, श्री निर्मल कुमार सराफ, श्री प्रकाश चन्द्र सोंथलिया, श्री गोविन्द प्रसाद जीवराजका, श्री रघु प्रसाद बाजोरिया, श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री सतीश देवड़ा, श्री ज्योतिवर्धन सोंथलिया, श्री ओम प्रकाश हरलालका, श्री राम प्रसाद देवड़ा, श्री शिव प्रसाद पोद्दार।

श्री मंडावा पिंजरापोल

श्री राम स्वरूप चोपदार - अध्यक्ष
श्री गिरधारीलाल सुरोलिया - उपाध्यक्ष
श्री प्रदीप कुमार नाटानी - सचिव
श्री बिहारी लाल शर्मा - संयुक्त सचिव

सदस्य - श्री जगदीश प्रसाद चोहान, श्री अरविन्द पारिख, श्री मुरारीलाल खेमानी, श्री सुरेश कुमार देवड़ा, श्री मनोहार लाल कालोया, श्री मोहन लाल नायक, श्री पुरूषोत्तम मल मोदी, श्री प्रमोध कुमार देवड़ा, श्री गजानंद कुमावत।

इतिहास एवं गतिविधियाँ:

मंडावा पिंजरापोल की स्थापन १२३ वर्ष पहले हुई थी। गोभक्तो के यह भोज सहयोग से पिंजरापोल का सुचारु रूप से संचालन हो रहा है। इसका प्रतिफल है कि गौशाला मे गाय, बछडों एवं साडों की कुल संख्या २३९ है। वर्तमान में दानों समय मिलाकर २८१ लिटर दूध होता है।

(पिछले पृष्ठ का शेषांश)

उपग्रह की यात्रा में सम्मिलित कल्पना चावला को कौन नहीं जानता। कुश्ती और क्रिकेट में हरियाणा ने देश का नाम उज्ज्वल किया है। भारत केशरी चन्दगी राम, दिनेश फोगाट, विजयेन्दर सिंह, सुशील कुमार, योगेश्वर दत्त, साक्षी मलिक और बबिता कुमारी का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

भारत के लिए विश्वकप जीत कर लानेवाले कप्तान कपिलदेव चंडीगढ़ के हैं। भारतीय क्रिकेट की विभूतियों में चेतन शर्मा, वीरेन्द्र सहवाग, अजय जडेजा, अमित मिश्र तथा मोहित शर्मा का नाम सम्मान पूर्वक लिया जाता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि उद्यम, कर्मठता, वीरता और साहस आदि सभी मानवीय गुणों के कारण हरियाणा के नागरिक दूसरों के लिए दृष्टान्त बन रहे हैं।

हरियाणा : कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- २०१० के दिल्ली कामनवेल्थ खेल में भारत को मिले ३८ स्वर्णपदक में से २० हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते।
- हरियाणा देश का सबसे बड़ा गाड़ी, दोपहिये वाहन एवं ट्रैक्टर उत्पादक है।
- देश के सर्वाधिक ग्रामीण करोडपति हरियाणा में है।
- पानीपत तेलशोधक कारखाना दक्षिण एशिया का दूसरा वृहत्तम कारखाना है।
- जनसंख्या की वृद्धि से हरियाणावासी देश के २ प्रतिशत हैं, किन्तु फौज में उनकी संख्या १० प्रतिशत है।
- दक्षिण एशिया का सबसे अधिक उन्नत क्षेत्रों में से एक हरियाणा है।

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

Colourful, sturdy whiter cups and saucers. Something beautiful that brings out the best in your everyday.

Diva®

from LA OPALA®

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

La Opala RG Limited (Corporate Office)
Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020
P 033 6503 6656/7/8/9
Corporate Enquiries 090510 51011 | **E** info@laopala.in | www.laopala.in

हाइकु काव्यः

सवाल मोटो

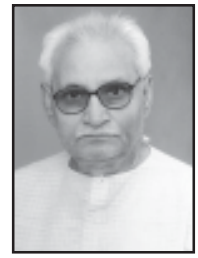

– केसरीकान्त शर्मा केसरी

१. आंधा में काणां
राजा व्है यै आपणां
काव्व कागला!

२. अब तो भाया,
सांस लेणो(भी) दूभर
यो विकास है!

३. मैं बोलूं कोनी
(हां,) हाइकु में केय द्यूं,
समझ ज्यावो!

४. पग्हां री धूळ
सिर पर आरी है,
जीणो भारी है!

५. कटु जथार्थ
कल्पनातीत हुवै,
झेलणो ओखो!

६. पूछ नी सको (थे)
म्हारी आय रो स्रोत,
हाय ना गेरो!

७. है सो तो है ही
अीं नै बदला कैयां,
सवाल मोटो!

८. "रावण होसी,
जो कोयी लंका जासी"
क्यूं ल्यो हो खांसी!

९. "कांयी खोजै है?"
"विचार! कोनी ल्हाद्यो
थे देख्यो हो के?"

१०. "केसियो कठै (है)?"
"हाइकु(ड़ा) में रुल्गो"
"मोथो कठै रो!"

राजस्थानी सूत्र

हमारे दादाजी के समय के सुखी जीवन के सूत्र राजस्थानी में –

घर बनानो छोटो,
कपडो पहननो मोटो।
खानो जवार को रोटो,
तो कभी ना आवे टोटो।।

आज की पीढी के नये सूत्र-

घर बनानो मोटो,
कपडो पहननो छोटो।
करजो लेनो मोटो,
खानो होटल को रोटो,
तो हमेशा रेवे टोटो ही टोटो!!

अपनी संस्कृति - अपना आधार

आपणी भासा

दो पंजाबी आपसमे पंजाबी बोले,
दो गुजराती आपसमे गुजराती बोले,
दो कन्नड़ा आपस मे कन्नड़ बोले,
दो तेलंगा आपसमे तेलगु बोले,
दो मारवाड़ी मिले तो आपसमे हिंदी बोले!

हिंदी राजराणी है, पर (मातृभाषा) माँ की बोली तो मारवाड़ी है!

आपणी बहन-बेटया हिंदी ही बोले! मारवाड़ी बोलणमे गंवारपन लागे है!

कुछ बरसाके बाद मारवाड़ी भाषा ही ख़तम हो जावेलि।

टाबराकि माँ जो बोली, वो ही टाबर बोलेला।

हर प्रान्तमे अपणी भाषा ने राजभाषा को सम्मान मिल्यो हे! राजस्थान में हालतक मारवाड़ी राजभाषा कोनी बणी! ओर म्हे सब जणा मारवाड़ी बोलनेरी नही ठाणा तो मारवाड़ी भाषा एकदिन डूब जाणेवाळी है!

घर-घर में मारवाड़ी बोलणरी बात रो महत्व समझाणो जरूरी हे!

इ विषय कि चर्चा होणी जरूरी है। आपणी मारवाड़ी बोली में साहित्य भी हे, पुराणी किताबा भी हे, आपणी बोलीमे नाटक-सिनिमा सब कुछ हे! सिर्फ जतन करणो जरूरी हे।

आ तो स्वर्गाने सर्मावे, इणपर देव रमण ने आवे, तो आ बोली बोलण में म्हाने शरम क्यूँ आवे...???

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री गोकुल मुरारका १९ बांगड़ एवेन्यु, ब्लाक-डी कोलकाता - ७०००५५	श्री ओम प्रकाश मुरारका १९ बांगड़ एवेन्यु, ब्लाक-डी कोलकाता - ७०००५५	श्री निरंजन कुमार साह ९०, राधा गोविन्द नगर रोड हिन्द मोटर, हुगली - ७१२२३३	श्री जगन्नाथ गुप्ता पी-१२, कलाकार स्ट्रीट, प्रथम तल, कोलकाता - ७	श्रीमती सुनिता गुप्ता पी-१२, कलाकार स्ट्रीट, प्रथम तल, कोलकाता - ७
श्री रमेश कुमार केडिया हांगकांग हाउस, प्रथम तल ३१, बी.बी.डी. बाग (साउथ) कोलकाता - ७००००१	श्री दिलीप कुमार परमानंदका १०/१, सैयद सलैय लेन कोलकाता - ७०००७३	श्री जय नारायण गुप्ता १२, वाटर लू स्ट्रीट कोलकाता - ७०००६९	श्री सुरेन्द्र कुमार कानोड़िया ट्रस्ट हाउस, चौथा तल ३२ए, चितरंजन एवेन्यु कोलकाता - ७०००१२	श्री दिलीप कुमार अग्रवाल कुंज बिहार, फ्लैट नं ३ए १४७/२/सी, गिरीश घोष रोड हवड़ा - ७११२०२
श्री कमल कुमार कन्दोई ३६, अभय गुहा रोड ब्लाक-बी, फ्लैट नं. ४०५ लिलुहा - ७११२०४	श्री महेंद्र सिंह जांगड़ा शांति कुंज अपार्टमेन्ट फ्लैट नं. २०१, ब्लाक-बी हवड़ा-७११११०	श्री सुनिल कुमार भट्टर ३/सी, नुरमल लोहिया लेन कोलकाता - ७००००	श्री केशर देव अग्रवाल २८बी, रविन्द् सरणी तिसरा तल, ऑफिस नं. १० कोलकाता - ७०००७३	श्री संतोष कुमार कानोड़िया ३९ए, जोड़ा पुकुर स्वायर लेन द्वितीय तल, कोलकाता - ६
श्री आकाश जैन ३९ए, जोड़ा पुकुर स्क्वायर लेन साकेत श्री, द्वितीय तल, रुम नं.-२०४, कोलकाता-६	श्री आलोक भानुका ४३, कैलाश बोस स्ट्रीट फ्लैट नं-४२२ कोलकाता - ७००००६	श्री हरिराम अग्रवाल २१९सी, ओल्ड चीना बाजार स्ट्रीट प्रथम तल, रूम नं. बी-६ कोलकाता - ०१	श्री मांगी लाल मित्तल ६७/४९, स्ट्रैंड रोड, प्रथम तल, कोलकाता - ७	श्री भाल चन्द्र खेतान १२, वाटर लू स्ट्रीट कोलकाता - ७०००६९
श्री मनीष कुमार बंका १, श्रुति बागान स्ट्रीट कोलकाता - ७०००७३	श्री राज कुमार खेतावत ९, लाल बाजार स्ट्रीट, प्रथम तल, ब्लाक-डी, कोलकाता - ७००००१	श्री सुशील कुमार गुप्ता ३६९/१४, दक्षिणधारी रोड चौथा तल, फ्लैट नं. ९ कोलकाता- ७०००४८	श्री वासुदेव अग्रवाल ५, फैंसी लेन, तीसरा तल कोलकाता-१	श्री कैलाश चन्द अग्रवाल २९बी, रविन्द्र सरणी चौथा तल, रूम नं.-४११ कोलकाता - ७०००७३
श्री सुशील कुमार झाझरीय ११७ कॉटन स्ट्रीट, द्वितीय तल कोलकाता - ७	श्री सुधीर नेवटीया ८०/८१ए, श्री अरविन्दा रोड वृन्दावन काम्पलेक्स हावड़ा - ७१११०६	श्री विक्रम भुवालका बीई-४१७, साल्ट लेक सिटी सेक्टर-१, कोलकाता - ०६४	श्री विकास भुवालका ए.एम.पी. वैशाखी माल ए.जी.-११२, साल्ट लेक सिटी कोलकाता - ७०००९१	श्री राजेश जालान ३२, साउदर्न एवेन्यु मेहता हाउस, फ्लैट नं. २० कोलकाता - ०२९
श्री विश्वनाथ भंसाली ८९/२२२, बाँगुड़ पार्क डाल्फीन टावर-२, पाँच तल रिसड़ा, हुगली	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल २३बी, कलाकार स्ट्रीट, प्रथम तल, कोलकाता - ७	श्रीराम कुमार मोदी फ्लैट नं.- ३(१), युनिट-३ मोरेपुकुर, रिसड़ा-७१२२०५	श्री अशोक गोयल ८७/३, एन. के. बनर्जी स्ट्रीट सन्नी टावर्स, चौथा तल रिसड़ा, हुगली	श्री सुरेन्द्र भुरा ८९/३६७, बाँगड़ पार्क श्री सदन अपार्टमेन्ट रिसड़ा - ७१२२४८, हुगली
श्री सुनिल गोयल (अग्रवाल) ८९/२९९/१, बाँगड़ पार्क, रिसड़ा - ७१२२४८, हुगली	श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल ५१, दिनेन भट्टाचार्या सरणी, युनिट-III, तिसेरा तल, मोरे पुकुर, रिसड़ा-७१२२५०	श्री जुगल किशोर गोयल ८७/३, सन्नी टावर, चौथा तल, रिसड़ा	श्री संजय कुमार अग्रवाल (कंदोई) १०६डी, नारकेल्डांगा नार्थ रोड कोलकाता - ७०००११	श्री सज्जन कुमार अग्रवाल गाँधी चॉक, मोतिपुर मुजफ्फरपुर-८४३१११, बिहार
श्री राज किशोर बंका मारवाड़ी धर्मशाला, सुतापट्टी मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री अरूण कुमार सरावगी सुरसंड, जिला - सितामढ़ी - ८४३३३१, बिहार	श्री महेश कुमार अग्रवाल ठाकुरबाड़ी रोड, कदमकुँआ पटना - ८००००३, बिहार	श्री प्रकाश अग्रवाल न्यू बाईपास रोड फोर्ड अस्पताल के पूर्व पटना - ८०००२०, बिहार	श्री जितेन्द्र कुमार जैन भवानी मार्केट, पुरानी गुरहट्टी साहेबगंज, छपरा - ८४१३०१ बिहार
श्री विजय कुमार सिंघानिया भवानी मार्केट, पुरानी गुरहट्टी साहेबगंज, छपरा - ८४१३०१ बिहार	श्री संजय कुमार द्वारा - शंकरलाल सत्य नारायण मौना चॉक के पश्चिम छपरा - ८४१३०१, बिहार	श्री विकास कुमार चाँदगोठिया पुरानी गुरहट्टी, साहेबगंज छपरा - ८४१३०१, बिहार	श्री जयन्त कुमार सरावगी कटरा बाजार, केरोसिनआयल डिपो के सामने छपरा - ८४१३०१, बिहार	श्री विनोद कुमार द्वारा - हरदेव प्रसाद एण्ड कं. लाह बगान, छपरा - ८४१३०१ बिहार
श्री मोती लाल शर्मा चन्वर लेन, चौक पटना सिटी - ८००००८, बिहार	डॉ. सुशील विशाल पोद्दार मिर्ची गली चौक, पटना सिटी - ८००००८, बिहार	श्री परमेश्वर मोदी मिर्ची गली चौक, पटना सिटी - ८००००८, बिहार	श्री आदर्श कुमार अग्रवाल टेढ़ीधाट गली, पटना सिटी - ८००००८, बिहार	श्री ध्रुव कुमार अग्रवाल देवकी काम्पलेक्स, नयी सड़क चौक, पटना सिटी - ७००००८, बिहार
श्री अनील सुल्तानियॉ केशव राय की घाट चौक पटना सिटी - ८००००८ बिहार	श्री शिव प्रसाद मोदी मोदी भवन, घाघा गली पटना सिटी - ८००००८ बिहार	श्री राज कुमार सुल्तानियाँ घाघा गली, पटना सिटी - ८००००८, बिहार	श्री भगवती प्रसाद मोदी मोदी भवन, घाघा गली पटना सिटी - ८००००८ बिहार	श्री राज कुमार बेरिवाल झाउगंज गली, पटना सिटी- ८००००८, बिहार
श्री वैभव अग्रवाल पटना सिटी - ८००००१ बिहार	श्री सुमन कुमार पोद्दार सरस्वती टावर, पटना सिटी - ८००००८, बिहार	श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल कानोड़िया मार्केट, नयी सडक पटना सिटी, बिहार	श्री किशोर सराफ सराफ निवास रामबाग पटना सिटी - ८००००८ बिहार	श्री सिताराम बंका झाउगंज, पटना सिटी - ८००००८, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री शिव कुमार बंका चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री अनिल कसेरा मे. प्रिया जनरल स्टोर चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री अशोक कुमार बर्लिया मारूफगंज, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री प्रदीप बागला ५०५, दुर्गा अपार्टमेन्ट मिर्ची गली, चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री धरम चंद सरावगी कठौतिया गली, पटना सिटी - ८०००८, बिहार
श्री प्रवीण कुमार सिंघानिया ४०४, दुर्गा अपार्टमेन्ट मिर्चीगली, चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री पवन कुमार मालपानी झाऊगंज पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री कमल नारायण अग्रवाल हीरा नंद साह लेन चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री प्रदीप कुमार साह जयराम दास रोड, मालसलामी, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री नारायण प्रकाश साह जयराम दास रोड, मालसलामी, पटना सिटी - ८०००८, बिहार
श्री दिलीप बुबना नयी सड़क, चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री महावीर प्रसाद मोदी मच्छरहट्टा, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री आनन्द पोद्दार पवन मार्केट, मच्छरहट्टा पटना सिटी - ८०००८ बिहार	श्री गिरधारी लाल अग्रवाल गोयनका मार्केट, मच्छरहट्टा पटना सिटी- ८०००८ बिहार	श्री राजेन्द्र कुमार जैन जैन मार्केटिंग, मुरारका कम्पाउण्ड, पटना सिटी - ८०००८, बिहार
श्री मुरारी लाल कमलिया पाटलीपुत्र मार्केट, नयी सड़क, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री देवकी नन्दन अग्रवाल 'सुन्दरी', चौक पटना सिटी - ८०० ००८, बिहार	श्री संजय छापड़िया हीरा नंद साह लेन (अपो चम्पामल), चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री निर्मल कुमार गोयनका झाउगंज, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री ज्योति प्रकाश झुनझुनवाला, श्री पुरूषोत्तम मार्केट चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार
श्री आनन्द प्रकाश हरलालका भगवती लक्ष्मी मार्केट चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री पवन कुमार सिंघानिया झाउगंज लेन, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री रवि गोयनका हीरा नंद साह लेन, पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री सुरेश कुमार चौधरी श्री श्यामकुंज, नयी सड़क चौक पटना सिटी - ८०००८, बिहार	श्री राजेश हरितवाल पुरानी बाजार, लक्खीसराय - ८११३११, बिहार
श्री जनार्दन कुमार गोड पुरानी बाजार, लक्खीसराय - ८११३११, बिहार	श्री अनिल शर्मा धर्मशाला, पुरानी बाजार के नजदीक, लक्खीसराय - ८११३११, बिहार	श्री कृष्ण कुमार खेतान धर्मशाला, पुरानी बाजार के नजदीक, लक्खी सराय - ८११३११, बिहार	श्री विजय कुमार डालमिया पुरानी बाजार, लक्खीसराय - ८११३११, बिहार	श्री सतीश कुमार केजरीवाल झंझरपूर बाजार मधुबनी - ८४७४०४, बिहार
श्री बिनोद कुमार शर्मा छोटी सरायगंज, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री सुनिल कुमार नरसरिया एफ-ए, खेतान सुपर मार्केट बिड़ला मंदिर रोड, पटना - ८००००४, बिहार	श्री विजय कुमार चौधरी २बी, अंकुर अपार्टमेन्ट वंशीकुंज, डॉ. आर. पी. रोड भागलपुर - ८१२००२, बिहार	श्री विष्णु कुमार अग्रवाल आमगोला रोड, मुजफ्फरपुर - ८४२००२, बिहार	श्री मनोज कुमार जाजोदिया करनौल - ८४३१२५ साहेबगंज, मुजफ्फरपुर बिहार
श्री आनन्द नेमान एम. जी. सदन मार्केट, सरायगंज, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री आलोक संगनेरिया जबाहर लाल रोड मुजफ्फरपुर - ८४२००१ बिहार	श्री नरेश अग्रवाल राजधानी मार्केट, प्रथम तल बड़ी रोड, दरियापूर पटना - ८००००४, बिहार	श्री मनोज कुमार जैन बी-१३, बंसल टावर भट्टाचार्या रोड पटना-८००००१, बिहार	श्री अजय कुमार गोयनका मेन रोड, बखरी बाजार- ८४८२०१, बेगुसराय, बिहार
श्री अनुप दारूका शिवकुंज अपार्टमेन्ट एक्जीबिशन रोड, पटना - ८००००१, बिहार	डॉ. श्रवण कुमार केडिया महावीर टोला, आरा- ८०२३०१, बिहार	श्री संजय कुमार जालान श्री निकेतन मार्केट गोपली चौक, आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री मनोज कुमार खेमानी धानुपाड़ा, आरा - ८०२३०१ बिहार	श्री सुनिल कुमार जालान जे.डी. मार्केट, चित्राटोली रोड आरा - ८०२३०१, बिहार
श्री गौरव कुमार नरसरिया भाटिया मार्केट, चित्राटोली रोड आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री लोकेश कुमार हल्दिया द्वारा - मनोज कुमार जैन बाबू बाजार, आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री नारायण प्रसाद सराफ न्यू करमन टोला आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री विनोद अग्रवाल चित्राटोली रोड, आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री अशोक कुमार सिंघानिया बड़ी मठिया, महादेवी रोड आरा - ८०२३०१, भोजपूर बिहार
श्री मुकेश प्रसाद पोद्दार उपासना मार्केट के बगल में चौक, आरा - ८०२३०१ बिहार	श्री विकाश सरावगी सरावगी मेगा मार्ट, रमना रोड, आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री कृष्ण कुमार पारसरामपुरिया, महादेवा रोड, आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री गणेश नारायण बेरिया एन. एस. माल, शिवगंज आरा - ८०२३०१, बिहार	श्री बलभद्र शर्मा पुरानी बाजार, जमुई-८११३०७, बिहार
श्री नमेश कुमार भविता विधवान तालाब जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री संदीप कुमार अस्पताल रोड, जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री सुरेश कुमार भालोटीया पुरानी बाजार, जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री रमेश कुमार भालोटीया पुरानी बाजार, जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री श्रवण कुमार भालोटिया महाराजगंज बाजार जमुई - ८११३०७, बिहार
श्री मुकेश कुमार भालोदिया महाराजगंज बाजार जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री संजय कुमार भालोदिया महाराजगंज बाजार जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री सुशील कुमार भालोदिया महाराजगंज बाजार जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री मोहन लाल खेतान मेन रोड, तेघड़ा, बंगुसराय - ८५११३३, बिहार	श्री शंकर लाल केडिया मेन मार्केट, तेघड़ा बाजार बंगुसराय - ८५११३३, बिहार

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubaneswar, Cuttack, Icchapuram, Vishakapatnam, Vijayawada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
STARKE™
NEW AGE PANELS
SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

AT
ANU®
SAREES

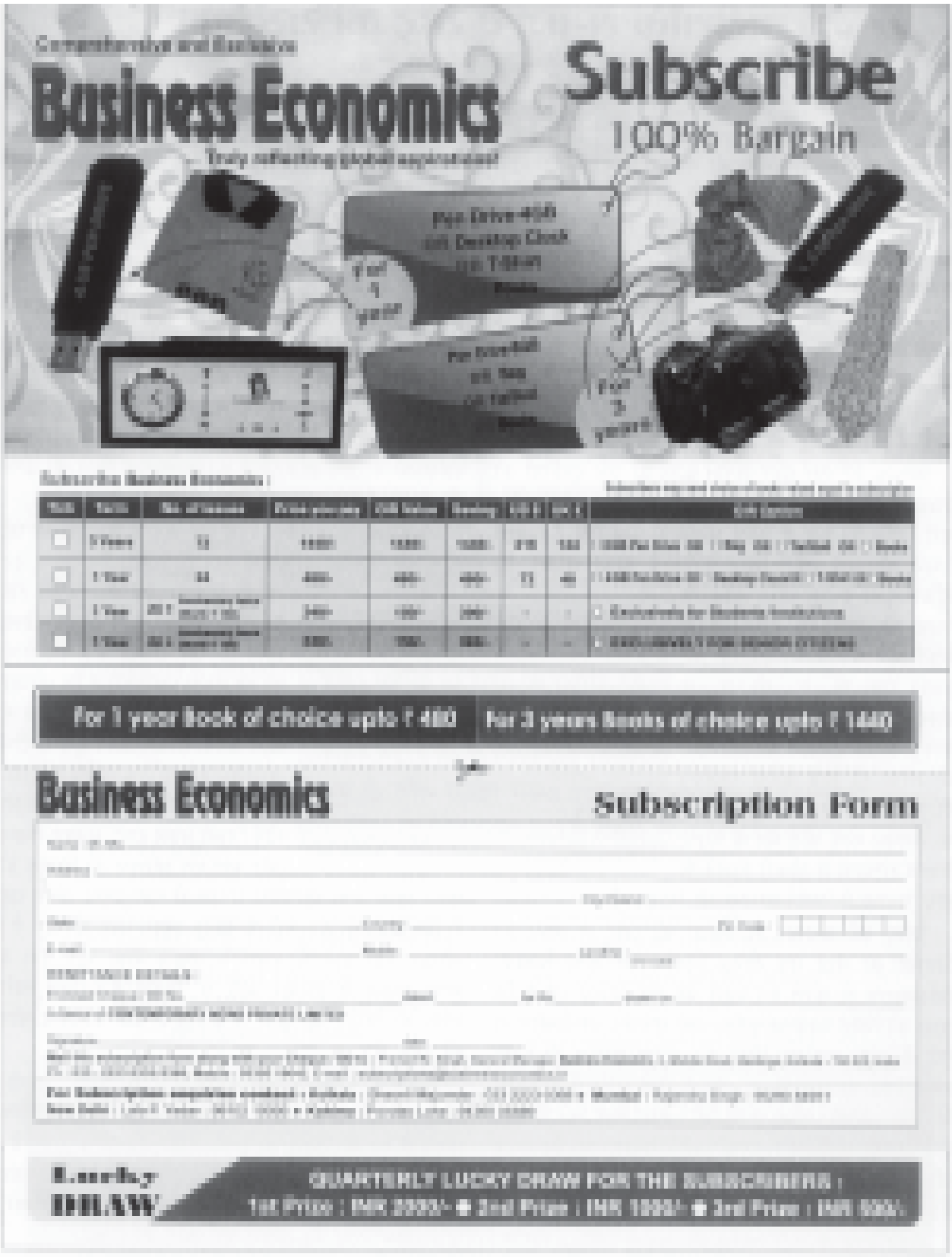

Business Economics
Subscribe
100% Bargain
For 1 year Book of choice upto ₹ 480
For 3 years Books of choice upto ₹ 1440
Business Economics
Subscription Form
Lucky
DRAW
QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :

IISD
A Gateway to Careers
REI Foundation
"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda
Swami Vivekananda (RI) Merit Scholarship upto 100%
Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility
2 Yrs. PGDM ₹ 1,00,000 (AIMA)
2 Yrs. #MBA + PGDM ₹ 1,70,000 (AIMA)
3 Yrs. #BBA ₹ 75,000
2 Yrs. #MBA+ PGPM ₹ 85,000
3 Yrs. #BCA ₹ 75,000
2 Yrs. # MBA (Hospital Mgmt.) ₹ 95,000
DUAL SPECIALISATION AVAILABLE
ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM
Assistance for placement
Eminent Faculty
Online Application Facility
Regular / Weekend Classes
Hostel
AC Classrooms
P.G Accommodation
INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th October 2016
RNI Regd. No. 2866/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com